



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 15-2019]

चण्डीगढ़, मंगलवार, दिनांक 9 अप्रैल, 2019
(19 चैत्र, 1941 शक)

विधायी परिशिष्ट

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ
भाग I	अधिनियम	
	कुछ नहीं	
भाग II	अध्यादेश	
	कुछ नहीं	
भाग III	प्रत्यायोजित विधान	
	अधिसूचना संख्या सांका०नि०21/संवि०/अनु० 309/2019, दिनांक 8 अप्रैल, 2019 — हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग मुख्यालय (गुप क) सेवा नियम, 2019. (प्राधिकृत अंग्रेजी अनुवाद सहित)	147—164
भाग IV	शुद्धि—पच्ची, पुनः प्रकाशन तथा प्रतिस्थापन	
	कुछ नहीं।	

भाग-III**हरियाणा सरकार**

खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 8 अप्रैल, 2019

संख्या सांका०नि० 21/संवि०/अनु० 309/2019 — भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग मुख्यालय (ग्रुप क) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा उनकी सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

भाग-I—सामान्य

1. (1) ये नियम हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग मुख्यालय (ग्रुप क) सेवा नियम, संक्षिप्त नाम तथा 2019, कहे जा सकते हैं। प्रारम्भ।
- (2) ये इसके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
- (क) "आयोग" से अभिप्राय है, हरियाणा लोक सेवा आयोग; परिभाषा।
- (ख) "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति द्वारा या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो;
- (ग) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार;
- (घ) "संस्था" से अभिप्राय है, —
 - (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या
 - (ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य संस्था;
- (ङ) "मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय" से अभिप्राय है,—
 - (i) भारत में विधि द्वारा निगमित कोई विश्वविद्यालय; या
 - (ii) कोई अन्य विश्वविद्यालय, जो इन नियमों के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया गया हो;
- (च) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा खाद्य तथा औषधि प्रशासन विभाग, मुख्यालय (ग्रुप क) सेवा।

भाग-II सेवा में भर्ती

3. सेवा में, इन नियमों के परिशिष्ट क में दर्शाए गए पद शामिल होंगे :— पदों की संख्या और स्वरूप।
परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नए पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने के लिए सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी।
4. (1) कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह निम्नलिखित न हो,—
 - (क) भारत का नागरिक; या
 - (ख) नेपाल की प्रजा; या
 - (ग) भूटान की प्रजा :
 सेवा में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों की राष्ट्रीयता, अधिवास तथा चरित्र।
परन्तु प्रवर्ग (ख) या (ग) से संबंधित किसी प्रवर्ग का व्यक्ति, ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।
- (2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिए प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा पात्रता का आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में, किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक वह अपनी अंतिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या ऐसी संस्था, यदि कोई हो, के प्रधान/शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से जो उसके संबंधी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उस से भली-भांति परिचित हों और जो उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से संबंधित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करें।

नियुक्ति
प्रधिकारी।

5. सेवा में पदों पर नियुक्तियां सरकार द्वारा की जाएंगी।

अर्हताएं।

6. कोई भी व्यक्ति, सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक वह इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 4 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो।

निरर्हताएं।

7. कोई भी व्यक्ति, —

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है; या

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है, सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की सन्तुष्टि हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है।

भर्ती का ढंग।

8. (1) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जाएगी,—

(क) **राज्य औषधि नियंत्रक की दशा में,—**

(i) उप राज्य औषधि नियंत्रक/सहायक राज्य औषधि नियंत्रक में से पदोन्नति द्वारा; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(ख) **संयुक्त आयुक्त (खाद्य) की दशा में,—**

(i) पदाभिहित अधिकारी या खाद्य सुरक्षा अधिकारी में से पदोन्नति द्वारा; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(2) सभी पदोन्नतियों, जब तक अन्यथा से उपबन्धित न हो, ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जाएंगी और केवल ज्येष्ठता ही ऐसी पदोन्नतियों के लिए कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।

परिवीक्षा।

9. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा :

परन्तु,—

(क) ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि परिवीक्षा की अवधि में गिनी जाएगी;

(ख) स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किए गए कार्य की कोई अवधि, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिवीक्षा अवधि में गिनने की अनुमति दी जा सकती है; और

(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिवीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जाएगी, किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिवीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किए जाने का हकदार नहीं होगा।

(2) यदि, नियुक्ति प्रधिकारी की राय में, परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो वह,—

- (क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवा से अलग कर सकता है; और
- (ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो,—
- (i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है; या
 - (ii) उसके संबंध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करे।
- (3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति अधिकारी,—
- (क) यदि उसकी राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो तो, —
- (i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है; या
 - (ii) ऐसे व्यक्ति को यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो उसे स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है;
 - (iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसे अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है; या
- (ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो,—
- (i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया है तो उसे उसकी सेवा से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके संबंध में ऐसी अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है, जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबंधन तथा शर्तें अनुज्ञात करे ; या
 - (ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश पारित कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :
- परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि, यदि कोई है, भी शामिल है, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

10. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता सेवा में किसी भी पद पर, उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जाएगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहां ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिए अलग-अलग निश्चित की जाएगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, ज्येष्ठता नियत करते समय आयोग द्वारा निर्धारित योग्यताक्रम भंग नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जाएगी:—

- (क) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य, स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों से ज्येष्ठ होगा;
- (ख) पदोन्नति द्वारा अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जाएगी, जिनसे पदोन्नत या स्थानान्तरण किए गए थे ; और
- (ग) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जाएगी, अधिमान ऐसे सदस्यों को दिया जाएगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो, तो उनकी नियुक्तियों में सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जाएगी और यदि सेवाकाल भी समान हो, तो आयु में बड़ा सदस्य आयु में छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

11. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिए आदेश दिए जाने पर ऐसा करने के लिए दायी होगा।

सेवा करने का दायित्व।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिए निम्नलिखित के अधीन भी प्रतिनियुक्त किया जा सकता है,—

- (i) कोई कम्पनी, संगम या व्यष्टि—निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास हो, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्वविद्यालय;
 - (ii) केन्द्रीय सरकार या कोई कम्पनी, संगम या व्यष्टि निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो; या
 - (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय, जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो या कोई गैर-सरकारी निकाय :
- परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना, खण्ड (ii) या खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय के अधीन प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा।

वेतन, छुट्टी,
पेंशन तथा अन्य
मामले।

12. (1) वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य सभी मामलों के संबंध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबन्ध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (वेतन) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (सरकारी कर्मचारी भत्ते) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य भविष्य निधि) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (यात्रा भत्ता) नियम, 2016, हरियाणा सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2016 तथा ऐसे नियमों द्वारा शासित होंगे, जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन या राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अपनाए अथवा बनाए गए हों अथवा इसके बाद अपनाए या बनाए जाएं :

परन्तु हरियाणा सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2016, के उपबन्ध उन सेवा के सदस्यों को लागू नहीं होंगे, जो प्रथम जनवरी, 2006 को या उसके बाद नियुक्त किए गए हैं (मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान को छोड़कर)।

(2) कोई सरकारी कर्मचारी जो सेवा या पद से सेवानिवृत्त होता है, तो अधिवर्षिता पेंशन (किन्तु पेंशन की किसी अन्य किस्म के लिए नहीं) के लिए अर्हक सेवा में परिवर्धन करने के लिए पात्र होगा;—

- (i) उसकी सेवा की अवधि से एक चौथाई से अनधिक वास्तविक अवधि; या
- (ii) वास्तविक अवधि, जिससे भर्ती के समय उसकी आयु पच्चीस वर्ष से अधिक होती है; या
- (iii) पांच वर्ष की अवधि,

इनमें से जो भी कम हो, यदि सेवा या पद, जिस पर सरकारी अधिकारी की नियुक्ति की गई है, निम्नलिखित में से कोई एक है,—

- (क) जिसके लिए प्रौद्योगिकी या व्यावसायिक क्षेत्र में विशिष्ट वैज्ञानिक स्नातकोत्तर अनुसंधान या अर्हता या अनुभव अनिवार्य है; और
- (ख) जिस पर सामान्यतः पच्चीस वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवार भर्ती किए गए हैं :

परन्तु यह छूट उन सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय होगी, जिनकी,—

- (i) नियुक्ति सीधी भर्ती द्वारा की गई है और न की पदोन्नति द्वारा ;
- (ii) वास्तविक अर्हक सेवा अधिवर्षिता सेवानिवृत्ति के समय दस वर्ष या इससे अधिक है;
- (iii) किसी ऐसे पद पर नियुक्ति, जिसके लिए भर्ती नियमों में यह विशिष्ट उपबन्ध अंतर्विष्ट है कि जिसमें वह सेवा या पद है, जो इस नियम का लाभ ले सकता है :

परन्तु उप नियम (2) के उपबन्ध, उन सेवा के सदस्यों पर लागू नहीं होंगे, जो प्रथम जनवरी, 2006 को या उसके बाद नियुक्त किये गए हों (मृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपदान को छोड़कर)।

(3) उप नियम (2) में निर्दिष्ट छूट उसी विभाग में या किसी अन्य विभाग में किसी अन्य पद से ऐसे पद पर पश्चात्पूर्ति नियुक्ति को भी लागू होगी :

परन्तु सरकारी कर्मचारी या तो अपनी पूर्ववर्ती अर्हक सेवा को अधिवर्षिता पेंशन के लिए हिसाब में लेने के लिए हकदार होगा या उप नियम (2) के अधीन छूट प्राप्त करने का हकदार

होगा। वह इस आशय के विकल्प का प्रयोग पद ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर करेगा। एक बार विकल्प का किया गया प्रयोग अन्तिम होगा।

टिप्पणः— इस नियम के अधीन छूट प्रदान करने का निर्णय प्रशासनिक विभाग द्वारा वित्त विभाग के परामर्श से भर्ती की तिथि से दो वर्ष के भीतर लिया जाएगा।

- 13.** (1) अनुशासन, शास्तियों तथा अपीलों से संबंधित मामलों में, सेवा के सदस्य समय-समय पर यथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016, द्वारा शासित होंगे : अनुशासन, शास्तियां तथा अपीलें।
परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वे होंगे, जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।
- (2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016, के नियम 9 के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) के अधीन आदेश पारित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वही होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में विनिर्दिष्ट हैं।
- 14.** सेवा का प्रत्येक सदस्य, स्वयं को टीका लगावाएगा या जब कभी सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, पुनः टीका लगावाएगा। टीका लगवाना।
- 15.** सेवा के प्रत्येक सदस्य से, जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जाएगी। राजनिष्ठा की शपथ।
- 16.** जहां सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक या समीचीन हो, वहां वह कारण अभिलिखित करते हुए, आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है। ढील देने की शक्ति।
- 17.** इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना समीचीन समझे, तो लगा सकता है। विशेष उपबन्ध।
- 18.** इन नियमों में दी गई कोई भी बात, राज्य सरकार द्वारा, इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी : आरक्षण।
परन्तु इस प्रकार किए गए आरक्षणों की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- 19.** हरियाणा औषधि (ग्रुप क) सेवा नियम, 1989, इसके द्वारा, निरसित किए जाते हैं : निरसन तथा व्यावृत्ति।
परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जाएगी।

परिशिष्ट क
(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी	जोड़	
1	2	3	4	5	6
1	राज्य औषधि नियंत्रक	1	—	1	प्रवेश स्तर-12,सैल-1= 78800/- रुपये
2	संयुक्त आयुक्त (खाद्य)	—	1	1	प्रवेश स्तर-12,सैल-1= 78800/- रुपये

परिशिष्ट ख

(देखिए नियम 6)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती से नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो तो	सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो तो
1	2	3	4
1	राज्य औषधि नियंत्रक		<p>पदोन्नति द्वारा:-</p> <p>उप राज्य औषधि नियंत्रक के रूप में कम से कम तीन वर्ष का अनुभव;</p> <p>अथवा</p> <p>सहायक राज्य औषधि नियंत्रक के रूप में कम से कम छह वर्ष का अनुभव;</p> <p>अथवा</p> <p>उप राज्य औषधि नियंत्रक तथा सहायक राज्य औषधि नियंत्रक के रूप में संयुक्त रूप से कम से कम छह वर्ष का अनुभव।</p> <p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा:-</p> <p>(i) राज्य औषधि नियंत्रक के रूप में दो वर्ष का कार्य अनुभव; तथा</p> <p>(ii) मैट्रिक स्तर तक या उच्चतर शिक्षा में हिन्दी/संस्कृत।</p>
2	संयुक्त आयुक्त (खाद्य)		<p>पदोन्नति द्वारा:-</p> <p>पदाभिहित अधिकारी के रूप में पांच वर्ष का अनुभव;</p> <p>या</p> <p>खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में पन्द्रह वर्ष का अनुभव (राजकीय खाद्य निरीक्षक (वर्ग-ग) के पद को खाद्य सुरक्षा अधिकारी (ग्रुप-ख) के रूप में पदाभिहित किया जाता है तथा राजकीय खाद्य निरीक्षक के पद के अनुभव को संयुक्त आयुक्त (खाद्य) की पदोन्नति के लिए गिना जाएगा]।</p> <p>स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा :-</p> <p>(i) संयुक्त आयुक्त (खाद्य) के रूप में दो वर्ष का कार्य अनुभव; तथा</p> <p>(ii) मैट्रिक स्तर तक या उच्चतर शिक्षा में हिन्दी/संस्कृत।</p>

परिशिष्ट ग

[देखिए नियम 13 (1)]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्तियों का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
1	राज्य औषधि नियंत्रक	सरकार	(I) लघु शास्तियां— हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विनिर्दिष्ट।	सरकार	सरकार।
2	संयुक्त आयुक्त (खाद्य)		(II) बड़ी शास्तियां — हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 2016 में यथा विनिर्दिष्ट।	—	—

परिशिष्ट घ

{देखिए नियम-13 (2)}

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5
1	राज्य औषधि नियंत्रक	(i) पेंशन को शासित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय सामान्य या अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना; तथा	सरकार	सरकार।
2	संयुक्त आयुक्त (खाद्य)	(ii) सेवा के किसी सदस्य की उसकी अधिवर्षिता के लिए नियत आयु के होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति।	.	

राजीव अरोड़ा,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
स्वास्थ्य विभाग।

HARYANA GOVERNMENT**FOOD AND DRUGS ADMINISTRATION DEPARTMENT****Notification**

The 8th April, 2019

No. G.S.R. 21/Const./Art. 309/2019.— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules, regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed, to the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter (Group A) Service, namely:-

PART- I- GENERAL

- | | |
|-------------------------------|---|
| Short title and Commencement. | <p>1. (1) These rules may be called the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter (Group A) Service Rules, 2019.</p> <p>(2) They shall come into force from date of their publication.</p> |
| Definitions. | <p>2. In these rules, unless the context otherwise requires,-</p> <p>(a) “Commission” means the Haryana Public Service Commission;</p> <p>(b) “direct recruitment” means an appointment made otherwise than by promotion from within the service or by transfer of an officer already in the service of the Government of India or any State Government ;</p> <p>(c) “Government” means the Haryana Government in the Administrative Department;</p> <p>(d) “Institution” means,-</p> <p style="padding-left: 20px;">(i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or</p> <p style="padding-left: 20px;">(ii) other institution recognised by the Government for the purpose of these rules;</p> <p>(e) “recognised university” means ,-</p> <p style="padding-left: 20px;">(i) any university incorporated by law in India; or</p> <p style="padding-left: 20px;">(ii) any other university which is declared by the Government to be a recognised university for the purpose of these rules;</p> <p>(f) “Service” means the Haryana Food and Drugs Administration Department, Headquarter (Group A) Service.</p> |

PART II—RECRUITMENT TO SERVICE

- | | |
|--|---|
| Number and Character of posts. | <p>3. The Service shall comprise the post shown in Appendix A to these rules :</p> <p>Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in the number of such posts or to create new posts, with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.</p> |
| Nationality, Domicile and character of candidates appointed to the Services. | <p>4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is-</p> <p style="padding-left: 20px;">(a) a citizen of India; or</p> <p style="padding-left: 20px;">(b) a subject of Nepal; or</p> <p style="padding-left: 20px;">(c) a subject of Bhutan:</p> <p style="padding-left: 40px;">Provided that a person belonging to any of the categories (b) or (c) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.</p> <p>(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Commission or any other recruiting authority but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.</p> <p>(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the principal, academic officer of the university, college, school or institution last attended, if any and similar certificates from two other responsible persons, not being his relatives who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.</p> |

5. Appointment to any post in the Service shall be made by the Government; Appointing Authority.
6. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualification and experience specified in column 4 of the Appendix B to these rules. Qualifications.
7. No person, - Disqualifications.
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service:
- Provided that the Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
8. (1) Recruitment to the Service shall be made,- Method of recruitment.
- (a) **In case of State Drugs Controller-**
- (i) by promotion from amongst Deputy State Drugs Controllers/ Assistant State Drugs Controllers ; or
- (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of any State Government or the Government of India;
- (b) **In case of Joint Commissioner (Food) –**
- (i) by promotion amongst Designated Officers or Food Safety Officers; or
- (ii) by transfer or deputation of an officer already in the Service of any State Government or the Government of India;
- (2) All promotions, unless otherwise, shall be made on seniority-cum-merit basis and seniority alone shall not confer any right to such promotion.
9. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of one year : Probation.
- Provided that—
- (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
- (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service may, in the case of appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and
- (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.
- (2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,-
- (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services; and
- (b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment,-
- (i) revert him to his former post; or
- (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit
- (3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,-
- (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory;
- (i) confirm such person from the date of his appointment; if appointed against a permanent vacancy; or

- (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy; or
- (iii) declare that he has completed his probation satisfactory, if there is no permanent vacancy; or
- (b) If his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory;-
 - (i) dispense with his Service, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner, as the terms and conditions of previous appointment permit; or
 - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation :

Provided that the total period of probation including extension if any shall not exceed three years.

Seniority.

10. Seniority, inter se of the members of the Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service:

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Commission, shall not be disturbed in fixing the seniority :

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :-

- (a) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer ; and
- (b) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and
- (c) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments; and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

Liability to Serve.

11. (1) A member of the service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of the Service may also be deputed to serve as under , -

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a Municipal Corporation or a local authority or university within the State of Haryana;
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government; or
- (iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by the Government or a private body:

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or organisation or body referred to in clauses (ii) or (iii) except with his consent.

Pay, leave, pension and all other matters.

12. (1) In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pay) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Leave) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Allowances to Government Employees) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (General Provident Fund) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Government Employee conduct) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Travelling Allowances) Rules, 2016, the Haryana Civil Services (Pension) Rules, 2016, and by such rules and regulations, as may have been, or may

hereafter, be adopted or made by the competent authority of India under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature :

Provided that the Haryana Civil Services (Pension) Rules, 2016 shall not be applicable to those members of Service who are appointed on or after the 1st January, 2006.

(2) A person who retires from Service or post shall be eligible to add his Service qualifying for superannuation pension (but not for any other class of pension) –

- (i) the actual period not exceeding one-fourth of the length of his Service; or
- (ii) the actual period by which his age at the time of recruitment exceeds twenty- five years; or
- (iii) a period of five years,

Whichever is less, if the Service or post to which the Government employee is appointed is one-

- (a) for which post-graduate research or specialist qualification, or experience in scientific, technological or professional fields is essential; and
- (b) to which candidates of more than twenty-five years of age are normally recruited :

Provided that this concession shall be admissible to a Government employee-

- (i) appointed by direct recruitment and not by promotion ;
- (ii) who has actual qualifying service of ten years or more at the time of superannuation retirement;
- (iii) appointed to a post, the recruitment rules of which contain a specific provision that the service or post is one which carries the benefit of this rule:

Provided that the provision of above said sub-rule (2) shall not be applicable to those members of service who are appointed on or after the 1st January, 2006.

(3) The concession referred to sub-rule(2) shall also be admissible on subsequent appointment from any other post to such a post in the same or any other department:

Provided that Government employee shall be entitled either to count his past qualifying service for superannuation pension or to get concession under sub-rule (2). He shall exercise an option to this effect within one year from the date of joining. The option once exercised shall be final.

Note : The decision to grant the concession under the rule shall be taken within two years from the date of recruitment by the Administrative Department in consultation with the Finance Department.

13. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services(Punishment and Appeal) Rules, 2016, as amended from time to time:

Discipline, penalties and appeals.

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

14. Every member of the Service shall get himself vaccinated or re-vaccinated if and when the Government so directs by a special or general order.

Vaccination.

15. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Oath of allegiance.

16. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Power of relaxation.

Special provisions.

17. Notwithstanding anything contained in these rules, the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment, if it is deemed expedient to do so.

Reservation.

18. Nothing contained in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Casts, Backward Classes, Ex-Serviceman, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard from time to time:

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty per-cent at any time.

Repeal and savings.

19. The Haryana Drugs (Group A) Service Rules, 1989, are hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the rules so, repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

APPENDIX-A*(See rule 3)*

Serial number	Designation of post	Number of posts		Total	Pay Scale of Post
		Permanent	Temporary		
1	2	3	4	5	6
1.	State Drugs Controller	1	-	1	FPL-12(Cell-I) ₹78800/-
2	Joint Commissioner (Food)	-	1	1	FPL-12(Cell-I) ₹78800/-

APPENDIX B*(see rule 6)*

Serial number	Designation of Posts	Academic qualifications and experience, if any, for appointment by direct requirement.	Academic qualifications and experience, if any, for appointment by other than direct requirement.
1	2	3	4

1. State Drugs Controller

By promotion :-

At least three years experience as Deputy State Drugs Controller;

Or

At least six years experience as Assistant State Drugs Controller;

Or

At least six years combined experience as Deputy State Drugs Controller and Assistant State Drugs Controller

By transfer/deputation :-

(i) Two years work experience as State Drugs Controller; and

(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or Higher Education.

2. Joint Commissioner (Food)

By promotion :-

Five years experience as Designated Officer.

Or

Fifteen years experience as Food Safety Officer [the post of Government Food Inspector (Group-C) will hereafter be designated as Food Safety Officer (Group-B) and their experience will be counted for promotion as Joint Commissioner (Food)].

By transfer or deputation:-

(i) Two years work experience as Joint Commissioner (Food); and

(ii) Hindi or Sanskrit upto Matric Standard or Higher Education.

APPENDIX C*[see rule 13(1)]*

Serial number	Designation of Posts	Appointing authority	Nature of penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority
1	2	3	4	5	6
1	State Drugs Controller	Government	(I) Minor Penalties - As specified in Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 ;	Government	Government
2	Joint Commissioner (Food)		(II) Major Penalties : As specified in Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016.		

APPENDIX D*[see rule 13(2)]*

Serial number	Designation of Posts	Nature of order	Authority empowered to make the order	Appellate authority
1	2	3	4	5
1	State Drugs Controller	(i) reducing or withholding the amount of ordinary or additional pension admissible under the rules governing pensions;	Government	Government
2	Joint Commissioner (Food)	(ii) terminating the appointment of a member of the Service otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.		

RAJEEV ARORA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Health Department.